RIGHT TO EDUCATION

SARVA SHIKSHA ABHIYAN
EDUCATION FOR ALL

उत्तराखण्ड राज्य

विद्यालय बाल पत्रिका

भाग–2

कोहिनूर

राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुथ्या

संकुल–बुगाला, ब्लॉक–नरेन्द्र नगर, जिला–टिहरी गढ़वाल

Email: gpskuthya@gmail.com

Website: www.govprimaryschool.com

सुबोध उनियाल

मंत्री

कृषि, कृषि विपणन, कृषि प्रसंस्करण,
कृषि शिक्षा, उद्यान एवं फलोद्योग, रेशम विभाग

उत्तराखण्ड सरकार

विधान भवन, देहरादून

कक्ष सं. : 121

फोन : 2666671

फैक्स : 2665855

पत्रांक : 81/कै०मं/VIP/2018

दिनांक : 6/3/18

"संदेश"

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुथ्या, नरेन्द्रनगर द्वारा कोहिनूर (विद्यालय बाल पत्रिका) का प्रकाशन किया जा रहा है। विद्यालय बाल पत्रिका विद्यालय के समस्त क्रियाकलापों का प्रतिबिम्ब है। इसके द्वारा उभरते बाल रचनाकारों व सृजनशील प्रतिभाओं को अपनी सृजन क्षमता को प्रदर्शित करने का सुअवसर प्राप्त होता है।

विद्यालय के समर्पित व कर्मठ सहायक अध्यापक श्री प्रमोद चमोली जी सहित समस्त विद्यालय परिवार को पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मेरी शुभकामनाऐं।

(सुबोध उनियाल)
6/3/18

★★★

★ संरक्षक मण्डल

श्री दिनेश चन्द्र गौड़
मुख्य शिक्षा अधिकारी
टिहरी गढ़वाल

श्री शिव प्रसाद सेमवाल
जिला शिक्षा अधिकारी (मा0)
टिहरी गढ़वाल

श्री सुदर्शन सिंह बिष्ट
जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा0)
टिहरी गढ़वाल

श्री चेतन प्रसाद नौटियाल
प्राचार्य, जि0शि0प्र0सं0
टिहरी गढ़वाल

श्री ओमप्रकाश वर्मा
खण्ड शिक्षा अधिकारी
नरेन्द्र नगर (टि0ग0)

उत्तराखण्ड राज्य

★ शुभकामना संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि रा0प्रा0वि0 कुथ्या उत्तम परम्परा स्थापित करते हुए अपनी विद्यालय पत्रिका के द्वितीय संस्करण का प्रकाशन कर रहा है। पत्रिका का प्रथम संस्करण अत्यन्त सराहनीय रहा, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बालमन में उमड़ते-घुमड़ते विचारों, कल्पनाओं, सवालों तथा उनकी आकांक्षाओं का रोचक एवं पठनीय संग्रहण प्रस्तुत किया गया था। पत्रिका के लिए छात्रों द्वारा लिखे गए लेख निश्चित रूप से उनकी विमर्ष क्षमता, सृजनशीलता एवं लेखन कौशल में वृद्धि करेंगे। उम्मीद है कि आगामी अंकों के लिए भी विद्यालय के सभी छात्र इसी प्रकार अपनी भावनाओं एवं बहुरंगी सोच को कलम के माध्यम से पत्रिका रूपी कैनवास पर उकेरेंगे। विद्यालय पत्रिका के गत संस्करण की गुणवत्तापरक एवं ज्ञानवर्धक पाठ्यसामग्री ने पत्रिका के नवीनतम संस्करण को लेकर हमारी जिज्ञासा एवं अपेक्षाओं में वृद्धि कर दी है।

विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन से विद्यालय को न सिर्फ विकासखण्ड स्तर वरन जनपद एवं राज्य स्तर पर भी विशिष्ट पहचान प्राप्त हुई है। सीमित संसाधनों में शिक्षकों व छात्रों के परिश्रम एवं समुदाय के अप्रतिम सहयोग से विद्यालय द्वारा लगातार द्वितीय वर्ष पत्रिका प्रकाशन का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा रहा है। मेरी अपेक्षा है कि विद्यालय के इस उल्लेखनीय कार्य से प्रेरणा लेकर क्षेत्र एवं विकासखण्ड के अन्य विद्यालय भी ऐसे नवाचारी कार्य करने का प्रयास करेंगे।

मैं विद्यालय पत्रिका प्रकाशन के लिए समस्त विद्यालय परिवार विशेषकर श्री प्रमोद चमोली स0अ0 को शुभकामनाएं व बधाई देता हूँ। श्री चमोली द्वारा एक शिक्षक के रूप में कर्तव्यपरायणता, समपर्ण, जुझारूपन व अपने विनम्र व्यक्तित्व से बहुत कम समय में क्षेत्र में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उनके द्वारा गत वर्षों में किए गए कार्यों के फलस्वरूप उनके विद्यालय की गुणात्मक सुधार परिलक्षित हुआ है।

पुनः हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

(पंकज कुमार उप्रेती)
उप शिक्षा अधिकारी
नरेन्द्र नगर, टिहरी गढ़वाल।

★★★

★ विद्यालय सहयोगी

श्री जबर सिंह पंवार
ब्लाक समन्वयक
फकोट, नरेन्द्र नगर

श्री बिरेन्द्र प्रसाद रयाल
संकुल समन्वयक
बगाला, नरेन्द्र नगर

श्रीमती प्रमिला देवी
अध्यक्ष
विद्यालय प्रबन्धन समिति

श्रीमती गीता देवी
कार्यकत्री
आँगन बाड़ी केन्द्र कुथ्या

श्रीमती लक्ष्मी देवी
भोजन माता
रा0प्रा0वि0 कुथ्या

★ मीडिया की नज़र में

★ विद्यालय के बारे में

यह विद्यालय ऋषिकेश–श्रीनगर मार्ग पर ऋषिकेश से लगभग 50 किमी की दूरी पर स्थित एवं संपर्क मार्ग से लगभग तीन किमी पैदल दूरी पर स्थित है। इस विद्यालय के लिए 49 परिवार और लगभग 286 आबादी के तीन गाँव सल्याल, लोरगाँव और कुथ्या सेवित बस्ती हैं। जहाँ बच्चों की संख्या वर्तमान में प्राथमिक कक्षाओं में 20 है, तथा पूर्व प्राथमिक कक्षा में 5 है। इस विद्यालय तक पहुँचने के लिए अति दुर्गम मार्ग है। सामान्य पहाड़ी भौगोलिक स्थिति में अवस्थित यह विद्यालय लगभग 70 डिग्री के ढलान पर होने के कारण इसे पर्याप्त भवन दे पाना कठिन है।

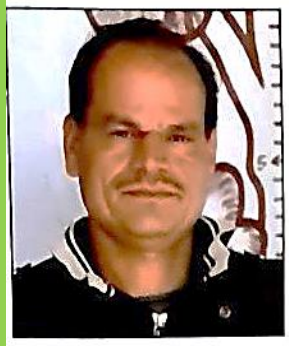

★ प्रधानाध्यापक की कलम से

राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुथ्या की विद्यालय बाल पत्रिका के नवीनतम अंक को प्रस्तुत करते हुए मैं सम्मान एवं गर्व का अनुभव कर रहा हूँ। ये पत्रिका एक लघु सागर है जो हमारे अस्तित्व, हमारे प्रयासों और हमारी छोटी छोटी सफलताओं की आख्या को अपने में समाहित किए है। शैक्षणिक स्तर पर किए गये प्रयास एक सफल परीक्षा परिणाम के रूप में सामने आये हैं।

यह सब विभागीय अधिकारियों द्वारा समय-समय पर दिये गये दिशानिर्देशों का सुपरिणाम ही तो है जो विद्यालय अपनी एक अगल पहचान बनाने में सफल रहा है। जिसके तहत विद्यालय ग्रीष्मावकाश में नि:शुल्क समर कैंपों और विद्यालय वेबसाइट संचालन जैसे अभूतपूर्व कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। मैं आज इस अवसर सभी को साधुवाद करना चाहुंगा, जिन्होंने विद्यालय विकास में अपनी उल्लेखनीय सेवायें दी।

मैं माननीय कृषि मंत्री उत्तराखण्ड सरकार श्री सुबोध उनियाल जी एवं माननीय उप शिक्षा अधिकारी श्री पंकज कुमार उप्रेती जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिनके प्रेरणादायक संदेश इस पत्रिका की शोभा हैं।

अंतत: मैं विद्यालय के सहायक अध्यापक श्री प्रमोद कुमार चमोली जी को बधाई देता हूँ जिनके अथक परिश्रम और प्रयासों से विद्यालय की बाल पत्रिका 'कोहिनूर' आप सबके कर कमलों में सौंपी जा सकी।

यह पत्रिका हमारे छात्रों की रचनात्मक व सकारात्मक उर्जा का पुंज है, आशा है आपको पसंद आयेगा।

संजय सिंह
प्रधानाध्यापक
रा0प्रा0वि0 कुथ्या, नरेन्द्र नगर

★ ★ ★

★ आभार

मैं आभार व्यक्त करना चाहता हूँ श्रीमान मुख्य शिक्षा अधिकारी महोदय श्री दिनेश चन्द्र गौड़ जी, जिला शिक्षा अधिकारी (मा0) महोदय श्री शिव प्रसाद सेमवाल जी, जिला शिक्षा अधिकारी (बे0) महोदय श्री सुदर्शन सिंह बिष्ट जी, डायट प्राचार्य महोदय श्री चेतन प्रसाद नौटियाल जी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी महोदय श्री ओमप्रकाश वर्मा जी का, जिन्होंने मुझे पत्रिका प्रकाशन हेतु संरक्षण, मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया।

मैं श्रीमान उप शिक्षा अधिकारी महोदय श्री पंकज कुमार उप्रेजी जी का विशेष आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जिन्होंने बाल पत्रिका प्रकाशन हेतु हमें प्रेरित किया एवं अपना परामर्श प्रदान किया। मैं आभार व्यक्त करना चाहता हूँ विद्यालय प्रधानाध्यापक श्री संजय सिंह जी, एस0एम0सी0 अध्यक्षा श्रीमती प्रमिला देवी जी जिनके सहयोग से बाल पत्रिका सहित कई गतिविधियां आयोजित करना संभव हो पाया। मैं पत्रिका के माध्यम से जिला पंचायत सदस्या श्रीमती सुमन पुण्डीर जी, ग्राम प्रधान पुर्वाला श्रीमती सुलोचना देवी जी, ग्राम प्रधान मिण्डाथ श्रीमती धनेश्वरी देवी जी, ग्राम प्रधान ससमण श्री हरेन्द्र कबसूड़ी जी, ग्राम प्रधान नाई श्री बने सिंह जेठूड़ी जी, क्षेत्र पंचायत सदस्य श्रीमती सुनीता महर जी सहित उन सभी देवियों-सज्जनों एवं समाजसेवी संस्थाओं का जिन्होंने विद्यालय विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।

मैं विशेष रूप से आभार प्रकट करना चाहता हूँ हमारे गांव के निवासी एवं समाज सेवी श्री मिन्टू चौहान जी का जिन्होंने बाल पत्रिका प्रकाशन हेतु आर्थिक रूप से सहयोग प्रदान किया। आपके सहयोग के बिना हमारे लिए यह कार्य कर पाना असंभव था।

श्री प्रमोद कुमार चमोली
सहायक अध्यापक
रा0प्रा0वि0 कुथ्या, नरेन्द्र नगर

★ ★ ★

★ विशेष

साक्षात्कार

कृषि मंत्री श्री सुबोध उनियाल जी से प्रश्न पूछते आशीष व शीतल

वर्तमान सरकार में कृषि मंत्री एवं नरेन्द्रनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री सुबोध उनियाल जी से शिक्षा, चिकित्सा, पलायन, रोजगार आदि विषयों पर बात की विद्यालय के दो नन्हें होनहार पत्रकारों ने। प्रस्तुत है साक्षात्कार की मुख्य बातें :-

आशीष - ''सर्व प्रथम आपको उत्तराखण्ड राज्य के कृषि मंत्री बनने की हार्दिक बधाई। कैसा महसूस करते हैं आप कैबिनेट मंत्री बनने पर ?''

कृषि मंत्री जी- ''बहुत अच्छा महसूस करता हूँ - काम काम और बस काम। अच्छा लगता है आप लोगों की सेवा करने में।''

शीतल - ''राजनीतिक में आने से पूर्व आप अपने बारे में कुछ बताइए ? विशेषकर आपकी शिक्षा के बारे में।''

कृषि मंत्री जी- ''बच्चों, मैंने नरेन्द्र नगर से प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद इलाहाबाद जाकर मैंने उच्च शिक्षा ग्रहण की और वहीं से छात्र राजनीति की शुरूआत की।''

आशीष - ''भारी जनसमर्थन से जीतकर बनी आपकी भाजपा सरकार ने अभी तक प्राथमिक शिक्षा के विकास (विशेषकर दुर्गम पर्वतीय ग्रामीण क्षेत्रों) के लिए क्या क्या कार्य किए ? एवं आगे की क्या योजनाएं हैं ?''

कृषि मंत्री जी- ''जिस विधान सभा (नरेन्द्रनगर) में आप रहते हैं उत्तराखण्ड राज्य के सर्वाधिक 44 इंटरकालेज और 22 हाईस्कूल वहीं हैं और प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्राथमिक विद्यालय हैं। हालांकि प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों की संख्या लगातार घट रही है जो चिंता की बात है। हमारी सरकार प्राथमिक विद्यालयों की गुणवत्ता, शिक्षक-छात्र अनुपात और अंग्रेजी के महत्व को समझते हुए इस ओर विशेष ध्यान दे रही है। प्रत्येक अभिभावक अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाना चाहते है। इसलिए हम प्राथमिक शिक्षा को अंगेजी माध्यम से संचालित करने जा रहे हैं। इससे उन्हें शिक्षा के लिए शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा।''

शीतल - ''हमारे पहाड़ों में रोजगार और बेहतर चिकित्सा के अलावा बेहतर शिक्षा का न होना भी पलायन का एक मुख्य कारण है। आपका क्या मानना है ?''

कृषि मंत्री जी- ''हम मानते हैं कि बेहतर शिक्षा का न होना भी पलायन का एक बड़ा कारण है। इसी लिए तो हमारी सरकार प्राथमिक शिक्षा के सुधार पर बहुत ध्यान दे रही है। जो आपको बहुत जल्दी दिखने भी लगेगा।''

''हमारी सरकार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था को ठीक करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में डाक्टरों की नियुक्ति कर रही है। हमने अभी तक पहाड़ों पर खाली पड़े पदो पर लगभग 170 डाक्टरों की नियुक्ति कर दी है।''

''सरकार युवाओं से अत्यन्त कम शुल्क में चिकित्सक का कोर्स इस शर्त पर करवाती थी कि कोर्स पूरा करने के बाद वे कुछ वर्ष पहाड़ों पर नौकरी करेंगे। लेकिन कोर्स करने के बाद डाक्टर पहाड़ों पर नहीं आ रहे थे। हमारी सरकार अब ऐसे डाक्टरों के लिए वसूली भेज रही है और उन्हें कह दिया गया है कि उन्हें डिग्री तब तक नहीं दी जाएगी, जब तक वे पहाड़ो पर अपनी सेवाएं नहीं देते। अब वे लोग पहाड़ों पर नौकरी करने आ रहे हैं।''

''बेरोजगारी दूर करने के लिए हमारी सरकार खेती-कृषि को बढ़ावा दे रही है। पहाड़ों के खेत खाली हो चुके थे। पिछले लगभग 17 वर्षों में कृषि और उद्यान के लिए जितना बजट था उससे कई गुना बजट इस साल हमारी सरकार ने स्वीकृत किया है, ताकि हमारी खेती अच्छी हो और किसानों की इनकम दोगुनी से ज्यादा हो जाए। किसान गांव घर पर रहकर ही बच्चों को अच्छी शिक्षा और वातावरण दे सकें। जिससे बच्चे स्वच्छ मानसिकता के साथ पढ़कर आगे बढ़ें।''

आशीष -'' दुर्गम एवं पर्वतीय क्षेत्रों में पढ़ रहे हम जैसे प्राथमिक स्तर के छोटे बच्चों के लिए आप क्या संदेश देना चाहेंगे ?

कृषि मंत्री जी- ''खूब पढ़ो, बड़ा सोचो। बड़ा आदमी बनना है तो बड़ी सोच रखकर चलना होगा। आपके यहाँ (दोगी पट्टी में) पहले न तो स्कूल थे, न सड़कें थी न ही कोई साधन, फिर भी आपके यहाँ से जज बने, आई0एफ0एस0 बने, कई डाक्टर और बड़े अधिकारी बने। गांव के प्राइमरी शिक्षक के बेटे ने पूरे देश में आई0ए0एस0 टॉप किया। आप भी इन लोगों को आदर्श मानते हुए खूब मेहनत करो। मेहनत करोगे तो सफलता जरूर मिलेगी।''

शीतल - ''आप इसी प्रकार अपनी मेहनत, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करते हुए आगे बढ़ते रहें और आपका भविष्य उज्ज्वल हो। ईश्वर से इन्हीं शुभकामनाओं के साथ आपका बहुत बहुत धन्यवाद। प्रणाम।''

★ बाल रचनाएं

पावकी देवी : जानकारी

पावकी देवी का सुप्रसिद्ध मंदिर टिहरी जिले की दोगी पट्टी में स्थित एक प्राचीन सिद्धपीठ है। यह मंदिर ऋषिकेश से लगभगर 25 किमी दूर श्रीनगर मार्ग पर स्थित है। यहां आने वाले मार्ग पर वशिष्ठ गुफा और गूलर गुफा भी स्थित हैं। मंदिर परिसर के आसपास सुन्दर और मनोरम प्राकृतिक दृश्य हैं।

मंदिर के बारे में कहा जाता है कि जब माता पार्वती सती हुई थी तब इस स्थान पर उनका पांव (Foot) पड़ा था। तभी इसका नाम पांव + की = 'पावकी' देवी पड़ा। आज भी माता सती के पांव का चिह्न मंदिर के भीतर मौजूद है। मंदिर के पुजारी स्वामी केशव उत्तराखण्डी बताते हैं कि शिव महापुराण में भी इस स्थल का जिक्र है। उन्होंने बताया कि बहुत पहले इस मंदिर के पुजारी निकट के गांव 'नाई' के जेठूड़ी जाति के लोग हुआ करते थे। लेकिन बहुत साल पहले एक बार शरद नवरात्रि में अष्टमी के दिन पुजारी से कोई गलती हो गई। गौधूली का समय था और लोगों की भीड़ लगी थी तभी अचानक एक शेर प्रकट हुआ और पुजारी को सबके सामने से उठाकर ले गया और गायब हो गया। उसके बाद न तो पुजारी का कोई पता चला और न ही शेर का। ज्ञातव्य है कि उत्तराखण्ड में शेर नहीं होते और वह शेर ही था ऐसा लोगों ने देखा था। तब उस पुजारी के परिवार ने मंदिर में आना छोड़ दिया और अपने कुल पुरोहितों को मंदिर का पुजारी बनाया। कुछ वर्ष पहले तक मंदिर में बलि प्रथा का प्रचलन था लेकिन सामूहिक सहमति से मंदिर में बलि प्रथा निषेध कर दी गई। वर्तमान में यहां 'पावकी देवी सिद्ध पीठ' समिति बनाई गई है जो कि मंदिर की देखभाल करती है। इस समिती के अध्यक्ष जण्ड गांव के श्री भगवान सिंह जेठूड़ी हैं।

पावकी देवी मंदिर में वर्ष भर श्रद्धालु आते रहते हैं। बैशाख मास के 5 गते को मंदिर के प्रांगण में एक विशाल मेले का आयोजन होता है जिसमें नाई, बैराईगाँव, सिलकड़ी, घिघुड़, चमेली, पजैगाँव, जण्ड, पुर्वाला, मिण्डाथ, कुथ्या, ससमण, बुगाला आदि गाँव सहित दूर-दूर से लोग आते हैं। चैत्र और असूज माह में सामूहिक पूजा-पाठ का आयोजन भी होता है। हालांकि मंदिर परिसर में पेयजल की भारी किल्लत है। पंचायत के प्रयासों से परिसर में हैण्डपम्प भी लगवाया गया लेकिन उससे भी पानी नहीं आता

शुभम सिंह चौहान, कक्षा-5

नीति वाक्य

★ व्यक्ति अपने कार्यों से महान होता है, अपने जन्म से नहीं।
★ काम इतनी शांति से करों कि सफलता शोर मचा दे।
★ हर महानतम् कलाकार पहले नौसीखिया रहा है।
★ कोशिश करना न छोड़ें, गुच्छे की आखिरी चाबी भी ताला खोल सकती है।
★ अच्छे काम करते रहने चाहिए चाहे लोग तारीफ करें या न करें।
★ यदि लोग आपके लक्ष्य पर हंस नहीं रहे है तो समझो आपका लक्ष्य बहुत छोटा है।
★ जीतने वाले अलग चीजें नहीं करते, वो चीजों को अलग तरह से करते हैं।
★ महानता कभी न गिरने में नहीं हैं, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।
★ सिर्फ खड़े होकर पानी देखने से आप नदी पार नहीं कर सकते।
★ कोई भी महान व्यक्ति अवसरों की कमी के बारे में शिकायत नहीं करता।
★ संघर्ष जितना कठिन होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।
★ विफलता के बारे में चिंता मत करो, आपको बस एक बार ही सफल होना है।
★ इंतजार करना बन्द करो, क्योंकि सही समय कभी नहीं आता।

कु0 संजना और अम्बिका, कक्षा-4

डा0 एपीजे अब्दुल कलाम

प्रत्येक सुबह अपने आप कहे ये 5 वाक्य-

Speak 5 lines to yourself every morning -

1. मैं सबसे अच्छा हूँ।
   I am the **Best**.
2. मैं यह कर सकता हूँ।
   I can Do it.
3. ईश्वर हमेशा मेरे साथ है।
   God is **always** with me.
4. मैं विजेता हूँ।
   I am a **Winner**.
5. आज मेरा दिन है।
   Today is **My Day**.

आकाश और सुमित राणा, कक्षा-3

★ बाल रचनाएं

स्वच्छता

हम भी स्वच्छ रहेंगे और
घर को भी स्वच्छ बनाएंगे,
अन्दर बाहर आस और पास
कूड़ा नहीं फैलाएंगे,
कपड़े साफ पहनेंगे और
रोज सवेरे नहाएंगे,
घर हो या हो विद्यालय
गंदगी नहीं फैलाएंगे।
नाखून साफ, दाँत साफ और
तन को साफ बनाएंगे।
हो कैसी भी बीमारी,
सबको दूर भगाएंगे।

अनीष सिंह चौहान, कक्षा-3

'खाली होता गांव'

मेरे दादा लोग पाँच भाई थे और पाँचों भाईयों के कई सारे बच्चे। ऐसे ही कई परिवार हमारे गांव में एक साथ रहते थे। वे बताते हैं कि मेले-त्यौहारों और शादियों में बहुत मजा आता था। मिलजुल कर रहते थे, घूमते थे और काम करते थे। गांव में खूब दाल-सब्जियां, अनाज और फल-फूल होते थे। गांव काफी खुशहाल था। लेकिन बिजली, पानी, सड़क, दूरसंचार, शिक्षा और चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाओं के न होने के कारण धीरे-धीरे लोग गांव से शहरों की ओर चले गए। जो बचे-कूचे लोग गांव में रहकर आजीविका चला रहे थे, अब वे भी गांव छोड़ने को मजबूर हैं। दादाजी बताते हैं कि जंगली जानवरों ने खेती बाड़ी को बुरी तरह प्रभावित किया है। अब समय पर वर्षा नहीं होती और सिंचाई के पानी की कमी भी हो गई है। गांव में रह गए गिने-चुने लोग भी रोजगार के लिए शहरों की ओर जाने लगे हैं। कुछ लोग अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए हमारे गांव से शहरों की ओर चले गए। हमारे पापा-चाचा भी शहरों में रोजगार करते हैं। गांव में कुछ गिने-चुने बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे ही रह गए हैं और शायद कुछ सालों में ये सब भी गांव छोड़ जाए।

आशीष सिंह चौहान, कक्षा-5

विद्यालय के बाद मेरी दिनचर्या

मैं शीतल हूँ और कक्षा पांच में पढ़ती हूँ। विद्यालय से अध्ययन करने के बाद जब मैं घर जाती हूँ तो सबसे पहले में अपनी स्कूल यूनीफोर्म को बदलकर अपने घर के कपड़े पहनती हूँ और अपनी ड्रेस व बस्ता निश्चित स्थान पर रखती हूँ। इसके बाद अपने हाथ-मुंह धोकर खाना खाती हूँ। फिर में अपने छोटे भय्या के साथ खेलती हूँ। मेरी मम्मी मुझे दिन में थोड़ा आराम करने के लिए कहती है। लगभग एक दो घंटे सोने के बाद मैं उठ जाती हूँ और अपना गृहकार्य पूरा करती हूँ। गृहकार्य करने के बाद में अपनी सहेलियों के साथ पड़ोस में खेलने चली जाती हूं। शाम को घर आकर अपने हाथ मुंह धोती हूँ और अपने घर में बने मंदिर में थोड़ी देर तक पूजा करती हूँ। फिर हम सब भाई बहन पढ़ने के लिए एक स्थान पर बैठ जाते हैं। लगभग 9 बजे हमारा खाना बन जाता है और हम सब मिलकर खाना खाते हैं। मैं और मेरी छोटी बहन अपनी दादी के साथ सोने जाते हैं। दादी हमें कहानी सुनाती है और फिर हम सो जाते हैं।

कु0 शीतल चौहान, कक्षा-5

माँ

सबसे अच्छी सबसे न्यारी,
मेरी माँ है कितनी प्यारी।
खेल खिलाती दूध पिलाती,
नए खिलौने मुझे दिलाती।
मुझे पकड़ने कोई आता,
तो मैं गोदी में छिप जाती।
रोज सुनाती मुझे कहानी,
कभी न करती आना कानी।
इस दुनियाँ में सबसे न्यारी,
मेरी माँ है कितनी प्यारी।

कु0 अनामिका, कक्षा-2

हरियाली

आओ मिलकर पेड़ लगाएं,
जग में सारे हरियाली फैलाएं।
पेड़ो से हैं हमको लाभ,
कब समझेंगे हम और आप!
चुन्नू-मुन्नू-अंजू-संजू,
सब जन मिलकर हाथ बटाएं।
आसपास खूब पेड़ लगाएं,
जग में सारे हरियाली फैलाएं।

शुभम चौहान, कक्षा-4

इसे मत पढ़िये!

जब आप कहीं जा रहे होते हैं तो लिखा होता है 'Stop', लेकिन आप ब्रेक नहीं लगाते। जब आप किसी बगीचे में जाते हैं और वहाँ लिखा होता है "फूल मत तोड़िये", लिखा होने के बावजूद आप फूल तोड़ लेते हैं। और जब आप कूड़ा फेंकने जाते हैं तो वहां लिखा होता है "कूड़ा कूड़ेदान में ही डाले" लेकिन आप ऐसा नहीं करते। अब आप अपने को ही देख लीजिए ऊपर मोटे-मोटे अक्षरों में लिखा है "मत पढ़िये" फिर भी आप पढ़ रहे हैं।

कु0 सुमन एवं अनीश चौहान, कक्षा-5

★ विद्यालय के होनहार

क्रम	नाम	कक्षा	प्रतिशत	सत्र
1.	आशीष चौहान	2	90.67	2015-2016
2.	अनिश चौहान	2	90.66	2016-2017
3.	अनीश चौहान	1	88.44	2015-2016
4.	सुमित चौहान	3	87.60	2013-2014
5.	अजय चौहान	5	85.87	2013-2014
6.	सुमित चौहान	5	85.73	2015-2016
7.	राहुल सिंह चौहान	3	84.93	2014-2015
8.	राहुल सिंह चौहान	5	82.67	2016-2017
9.	कु0 अनामिका	1	80.00	2016-2017
10.	राहुल सिंह चौहान	2	79.33	2013-2014
11.	सुमित चौहान	4	79.20	2014-2015
12.	राहुल सिंह चौहान	4	78.24	2015-2016
13.	आशीष चौहान	4	77.47	2016-2017
14.	कु0 करिश्मा	4	77.00	2013-2014
15.	जय सिंह	3	75.47	2013-2014
16.	कु0 शीतल चौहान	4	74.13	2016-2017

विद्यालय में:

1. सदा सत्य बोले।
2. प्रतिदिन स्नान करके आएं।
3. अपने नाखून व दाँत साफ रखें।
4. साफ-सुथरी ड्रेस पहने।
5. बालों में तेल लगाएं एवं बालों को छोटा रखें।
6. विद्यालय परिसर साफ सुथरा रखें।
7. पेड़ पौधे व फूल न तोड़े।
8. विद्यालय भवन व सम्पत्ति को क्षति न पहुंचाएं।
9. अपने से बड़ों का आदर करें एवं छोटों को स्नेह।
10. विद्यालय से घर जाकर सभी को प्रणाम करें।

नीरज चौहान, कक्षा-4

★ बाल रचनाएं

मेरी चिड़िया

चूं-चूं करके गाती है,
दाना चुगकर जाती है।
मम्मी देखो मेरी चिड़िया,
रोज सवेरे आती है।
सबके मन को भाती है,
कितना वो सरमाती है,
मम्मी देखो मेरी चिड़िया,
रोज सवेरे आती है।

कु0 अम्बिका, कक्षा-3

किरमोला 'चिंटी'

पक्तियों में जाते हैं।
बिल्कुल नहीं घबराते हैं।
ऊपर हमारे चढ़ जाते हैं।
किरमोला कहलाते हैं।
कितना भार उठाते हैं।
मेहनती बहुत कहलाते हैं।
छेड़ो मत यारों इनको
गुस्से में तड़काते हैं।

कु0 प्रीति कक्षा-5

On this occasion I am happy to greet the students & teachers.
Best Wishes to all students.

डॉ0 सन्तोष चमोली
क्लस्टर हैड
(टैक्स-वे उत्तराखण्ड)
मो0: 7300840010

आयकर विभाग भारत की
राष्ट्रीय स्तर की ई-मध्यस्थता कम्पनी
TAXWAY Group
एक कर सलाहकार कम्पनी
(भारत सरकार द्वारा पंजीकृत उपक्रम)

- ट्रेड मार्क
- सर्विस टैक्स पंजीयन प्रमाण-पत्र
- टैक्स-वे-टाइम्स पत्रिका
- अकाउन्टिंग कोर्स
- ऑनलाइन विज्ञापन
- वेब डिजाइन
- आईटी सॉफ्टवेयर
- एडवांस अकाउन्टिंग कोर्स
- पैनकार्ड सेवा
- आयकर रिटर्न ऑनलाइन
- टैक्स जमा करवाना
- टैक्स रिफण्ड की जानकारी
- टीन नं. जीएसटी
- वैट रिर्टन ऑनलाइन
- डिजिटल सिग्नेचर
- इम्पोर्ट/एक्सपोर्ट पंजीयन
- प्रा.लि./लिमिटेड पंजीयन
- एनजीओ पंजीयन

रा0प्रा0वि0 कुथ्या की बाल पत्रिका के प्रकाशन पर समस्त शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं।

0135-2451220
महावीर उपाध्याय
प्रबन्धक / संस्थापक
नालन्दा शिक्षण संस्थान
खदरी श्यामपुर, ऋषिकेश (देहरादून)
9412347058, 999714173, 7895240333

★ फोटो गैलरी

★ विद्यालय की विशेष गतिविधियाँ

★ विद्यालय बाल पत्रिका का प्रकाशन।
★ विद्यालय की वेबसाइट का संचालन।
★ कंप्यूटर्स के माध्यम से अध्ययन।
★ ग्रीष्मावकाश में समर कैम्पों का आयोजन।
★ विद्यालय वार्षिकोत्सव का आयोजन।
★ वार्षिक शैक्षिक भ्रमण।

★ विशेष अवसर

राज्य की ओर से मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार सचिव श्री अनिल स्वरूप जी को विद्यालय गतिविधियो से अवगत कराते हुये।

जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल श्रीमती ज्योति नीरज खैरवाल जी को विद्यालय नवाचारों से अवगत कराते हुये।

DM श्रीमती ज्योति नीरज खैरवाल जी एवं जिला शिक्षाधिकारी श्री अशोक गुसाँई जी को विद्यालय गतिविधियों से अवगत कराते हुये।

मुख्य शिक्षाधिकारी टिहरी गढ़वाल श्री दिनेश चन्द्र गौड़ एवं अन्य अधिकारीगण, विद्यालय वेबसाइट लॉचिंग के अवसर पर

नई टिहरी में सपनों की उड़ान कार्यक्रम में विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते हुए।

D.I.E.T नई टिहरी में प्राचार्य श्री चेतन प्रसाद नौटियाल जी से पत्रिका के दूसरे संस्करण के विषय में चर्चा करते हुये।

मन्नम एसोसियेट्स की ओर से

समस्त विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं

हमारा सपना सबका घर हो अपना, आओ सब मिलकर काम करे
सबके सपने साकार करे

सोच बदलो
गाँव बदलो

मिन्टू चौहान

समाज सेवी

निवेदक सुनील चौहान 7533833388, 9897750338

My Greeting and good wishes to all the school family on the occasion of the publication of the school magazine.

Mrs.

SAMPATI DEVI PUBLIC SCHOOL

Prateet Nagar, Raiwala, Dehradun

Email principalsdps@gmail.com Website www.sampatidevischool.org

Contact Us: 0135-2484048(O)

★ Strong Academics
★ Stimulating Environm
★ Focus on Values
★ Empowering Teachers
★ Empowering Parents
★ Empowering Society

S.D.P. SCHOOL

सहयोग राशि : ₹51/-

Printed By: Neelkanth Printers # 9917468235